नवंबर 2022

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

नेताजी और मैनपुरी

www.samajwadiparty.in

किसान हमारे देश के अन्नदाता हैं और उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जब तक खेती की उन्नति नहीं होगी, तब तक गांवों का विकास नहीं होगा। गांवों के विकास के बगैर हमारे देश का विकास नहीं होगा। भारत की आत्मा गांवों में ही बसती है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक , समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

नवंबर 2022
वर्ष 24 | संख्या 01

प्रिय पाठकों,
आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन बदले हुए कलेवर में अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आपके उत्साहवर्धन और प्रेम के कारण ही हमारा यह सफर यहां तक पहुंचा है। हम भरोसा दिलाते हैं कि हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने देंगे। कृपया हमेशा की तरह आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहें।
धन्यवाद!

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

चिट्ठी आई है...नेताजी की चिट्ठी आई है! 30

10 कवर स्टोरी

नेताजी और मैनपुरी

एकजुट प्रचार, जीत की राह तैयार 14

मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादियों के जोश, सैफई परिवार के साझा प्रचार और सपा प्रत्याशी के पक्ष में जनता के अभूतपूर्व समर्थन ने साइकिल की रफ्तार को जबरदस्त तेजी दे दी है। जनता के लिए यह नेताजी को श्रद्धांजलि देकर सपा की जीत सुनिश्चित करने का बड़ा अवसर है।

जयंती : नेताजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प 04
रामपुर उपचुनाव: आजम साहब का उत्पीड़न सबसे बड़ा मुद्दा 28

धरतीपुत्र

नेताजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव की 84वीं जयंती उनकी कर्मभूमि सैफई सहित राजधानी लखनऊ, समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय सहित देश के विभिन्न प्रांतों के पार्टी कार्यालयों और उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में सादगी के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर गरीबों और मरीजों को अस्पतालों में फल वितरण, रक्तदान, हवन-पूजन के साथ कैण्डल जलाकर नेताजी को नमन किया गया। गरीबों को भोजन, वस्त्र वितरण आदि के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए

सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने सैफई में नेताजी की समाधि पर श्रद्धासुमन के साथ नमन करते हुए समाजवादियों से कहा कि आज हम सभी नेताजी को याद कर रहे हैं। नेताजी ने हमें समाजवाद, भाईचारा और सौहार्द का जो रास्ता दिखाया इसलिए उस पर चलकर समाजवादी आंदोलन को ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लेना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी ने भाईचारा और सौहार्द की राजनीति का रास्ता दिखाया। नेताजी ने समाजवाद का रास्ता दिखाया और समाजवादी आंदोलन को खड़ा किया। हमें संकल्प लेना है कि नेताजी ने जिन आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से जीवन भर संघर्ष किया उन पर चलकर समाजवादी विचारधारा को और मजबूत करेंगे।

इससे पूर्व समाधि स्थल पर नेताजी की याद में शांति पाठ, हवन पूजन, संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरनमय नंदा ने कहा कि

धरती पुत्र

नेताजी हर कार्यकर्ता के मन में हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने कहा कि जो गरीब, पिछड़े, दलित और अगड़ों में जो कमजोर थे, उन्हें नेताजी ने स्वाभिमान से रहने का रास्ता दिखाया।

पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि नेताजी 1958 में मेरे छात्र थे। हमारे साथ अध्यापक रहे। फिर हमारे नेता रहे। हमारा 64 वर्षों का साथ रहा। नेताजी इतने लोकप्रिय हुए कि उनके नाम से पूरा इटावा मैनपुरी इलाका जाना जाता है। उनके

नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री

श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि नेताजी भले आज हम सबके बीच नही हैं लेकिन उनकी यादें जिंदा हैं। उनके साथ लम्बे समय तक कार्य करते हुए बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। नेताजी ने हमको ही नहीं बहुत से लोगों को ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। यहां मौजूद जनसमुदाय ने चित्र पर माल्यार्पण कर नेताजी के रास्ते पर चलकर समाजवादी पार्टी को मजबूती देने का संकल्प लिया। यहां रक्तदान शिविर लगा जिसमें चिकित्सकों की देखरेख में 51 लोगों ने रक्तदान किया।

भोगांव
बेवर
घिरोर
कोसमा
कुसमरा
किसनी
करहल
जसवंत नगर
जैतपुर

नेताजी और मैनपुरी

बुलेटिन ब्यूरो

नेताजी की मैनपुरी और मैनपुरी के नेताजी। कुछ ऐसा ही संबंध समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव का मैनपुरी के साथ रहा। कई दशकों का यह साथ इतना आत्मीय और गर्मजोशी से भरा रहा कि मैनपुरी के लोगों ने हमेशा नेताजी का भरपूर समर्थन किया तो वहीं नेताजी ने भी मैनपुरी को हमेशा अपने दिल के पास रखा।

यही वजह है कि नेताजी के निधन से खाली हुई मैनपुरी संसदीय सीट के उपचुनाव में खुद इलाके की जनता ही चुनाव लड़ रही है। सबका लक्ष्य एक ही है कि नेताजी और मैनपुरी के संबंधों की शानदार विरासत का सिलसिला आगे भी जारी रहे।

दरअसल मैनपुरी का नाम जुबां पर आते ही नेताजी-मुलायम सिंह यादव का नाम आना स्वाभाविक है। देश-दुनिया में नेताजी और मैनपुरी एक दूसरे के पूरक माने जाते रहे हैं। मैनपुरी ने जितना प्यार नेताजी पर लुटाया, नेताजी ने भी मैनपुरी में विकास की इबारत गढ़ने-लिखने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। नेताजी का मैनपुरी से लगाव सिर्फ राजनीतिक नहीं था बल्कि वह भावनात्मक रूप से इस क्षेत्र को अपना मानते थे। उन्होंने इसे कर्मभूमि भी बनाया। मैनपुरी में नेताजी के कदम 1958 में पड़े जब करहल के जैन इंटर कॉलेज में उनका प्रवेश हुआ।

इस कॉलेज में पढ़ाई के साथ कुश्ती का शौक रखने के नाते वह जल्द ही लोकप्रिय हो गए। 1960 में इसी कॉलेज से इंटर तक की पढ़ाई करने के बाद वह आगे की शिक्षा के लिए शिकोहाबाद चले गए। जैन इंटर कालेज के प्रबंधक वीरेन्द्र जैन की नजर जब नेताजी पर पड़ी तो उनकी मेधा से वह भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके।

वह उनके प्रिय हो गए। जैन साहब उन्हें इतना मानते थे कि कभी अतिरिक्त कक्षा की

फाइल फोटो

वजह से देर हो जाने पर अपने आवास पर ही उन्हें रोक लेते। यह सिलसिला लम्बे समय तक चला। मृदुभाषी होने की वजह से पूरा परिवार उनका कायल हो गया। यह रिश्ता ऐसा बना कि तीन पीढ़ियों तक कायम रहा।

नेताजी की कई खासियतों ने उन्हें शिखर तक पहुंचाया उसमें सबसे महत्वपूर्ण बड़ों का सम्मान, छोटों को स्नेह देना रहा। वह कभी किसी को भूलते नहीं थे।

कोई एक कदम साथ चला तो वह जिंदगी भर उसका सम्मान किया करते थे। पढ़ाई के दौरान मुफलिसी के दिनों में करहल के सुभाष गेट पर साइकिल बनवाने के दौरान हबीब साइकिल के मालिक हबीब साहब ने अगर उनकी कभी मदद की तो वह इस रिश्ते को जिंदगी भर निभाते रहे।

दोस्ती में वह राजनीतिक विचारधारा को आड़े नहीं आने देते थे। कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़े कहरी सिंह उनके मित्र थे पर नेताजी ने उनसे हमेशा आत्मीय संबंध रखे। मित्र कहरी को कहीं भी देखते, पुकारते जरूर थे। हालचाल पूछते फिर आगे बढ़ते।

1967 में जसवंतनगर से पहला चुनाव लड़कर जीतने वाले नेताजी-मुलायम सिंह यादव ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा और राजनीति के शिखर पर जा पहुंचे मगर अपने इस राजनीतिक सफर में वह मैनपुरी को नहीं भूले।

उन्होंने इसे कर्मभूमि बना लिया। 1996 में पहली बार नेताजी ने मैनपुरी से लोकसभा चुनाव लड़ा। सांसद बने तो फिर मैनपुरी को मैनपुरी बनाने में ऐसा जुटे कि अंतिम सांस तक इसकी तरक्की के लिए ताना बाना बुनते रहे।

नेताजी और मैनपुरी के रिश्तों को याद करते हुए उनके परिचित करहल निवासी डा जहीर रहीमी ने समाजवादी बुलेटिन से कहा, 'पहले हंसी-मजाक में इस जिले को नाम में पुरी होने की वजह से जिली कहा जाता था मगर नेताजी ने जब मैनपुरी से खुद को जोड़ा और विकास की रफ्तार पकड़ा दी तो मैनपुरी जिली से जिला कहलाने लगा।'

नेताजी का मैनपुरी के प्रति लगाव, प्यार देखकर परिवार भी मैनपुरी की ओर खिंचा चला आया। नेताजी की इस कर्मभूमि को परिवार ने भी सेवा के लिए चुना और जिसे जब अवसर मिला उसने मैनपुरी के विकास के लिए योगदान दिया।

2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भी

करहल को कर्मभूमि बनाकर जीत दर्ज की। मतलब साफ है कि पीढ़ियां भी मैनपुरी से नेताजी के लगाव को आत्मसात कर चुकी हैं। नेताजी के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अगली पीढ़ी भी मैनपुरी की सेवा करने को आतुर है। नेताजी की विरासत को संभालने के लिए सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव ने भी नामांकन के साथ ही संकल्प दोहराया कि वह मैनपुरी से नेताजी के रिश्तों का सम्मान बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

नेताजी ने मैनपुरी में सड़कों का जाल बिछाया। गांव-गांव सड़कें पहुंचीं तो विकास के रास्ते खुल गए। सभी गांवों को विद्युतीकरण योजना के तहत जोड़ दिया गया। बिजली आई तो जिंदगी की रौनक ही बदल गई।

सड़क, बिजली के साथ ही नेताजी ने स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया। गांवों तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुले और शहर के जिला व महिला अस्पतालों का कायाकल्प भी इसी की कड़ी है। स्कूल, इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना भी नेताजी के एजेंडे में सबसे ऊपर थी।

यह नेताजी की ही सोच थी कि मैनपुरी को रेल परियोजना से जोड़ा जाए। परियोजना शुरू हुई और आज पैसेंजर ट्रेनें मैनपुरी से दौड़ रही हैं। सिंचाई का बंदोबस्त, जिम, पार्क, बेहतरीन बस अड्डा आदि स्मृति में नेताजी की याद तो दिलाएगा ही, साथ ही नेताजी के परिवार के साथ उसी तरह प्यार लुटाने के लिए मैनपुरी वालों के संकल्प को मजबूती देता रहेगा। इस परिवार के पास नेताजी के सिद्धांत हैं, विकास का एजेंडा है, विकास का विजन है और संघर्ष का माद्दा भी।

मैनपुरी की विकास यात्रा

लोक निर्माण

-नेताजी ने जिले में सड़कों का जाल बिछाया
-जिला मुख्यालय को फोरलेन से जोड़ा
-26.4 किलोमीटर लम्बा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे मैनपुरी जिला से ही गुज़रता है

उच्च शिक्षा व तकनीकी क्षेत्र

-राजकीय इंजीनियरिंग कालेज मैनपुरी
-राजकीय महिला विद्यालय कुरावली
-राजकीय कन्या इंटर कालेज कुरावली
-जिले में 2 मॉडल स्कूलों का निर्माण
-सैनिक भर्ती केंद्र की स्थापना

परिवहन सेवा

आधुनिक बस स्टैंड मैनपुरी

सिंचाई

-60 नवीन नलकूपों का निर्माण
-अरिंद व ईसन नदी के आंतरिक सेक्शन का पुन:स्थापना

रेल परियोजना

1989 से मैनपुरी में रेल परियोजना के लिए प्रयासरत रहते हुए नेताजी ने अंतत: 2004 में मैनपुरी रेल परियोजना की आधारशिला रखवा दी। तत्कालीन राष्ट्रपति डा एपीजे अब्दुल कलाम ने आधारशिला रखी और दिसम्बर 2016 में इस लाइन पर पैसेंजर ट्रेन भी दौड़ने लगी।

विद्युत क्षेत्र

-मैनपुरी शहरी क्षेत्र के 50 प्रतिशत एरिया में अंडरग्राउंड केबलिंग का कार्य
-220 केवी उपकेन्द्र मैनपुरी पर 100 एमवीए परिवर्तक के स्थान पर 160 एमवीए की स्थापना
-132 केवीए के 3 विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना
-जिले के ग्रामों व उनके मजरों में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य

चिकित्सा स्वास्थ्य

-11 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना
-तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना
-जिला चिकित्सालय महिला व पुरुष का उच्चीकरण
-जिला चिकित्सालय में 2 करोड़ 48 लाख की लागत से बर्न यूनिट का निर्माण

फोटो स्रोत : गूगल

मैनपुरी उपचुनाव

एकजुट प्रचार जीत की राह तैयार

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादियों के जोश, सैफई परिवार के साझा प्रचार और सपा प्रत्याशी के पक्ष में जनता के अभूतपूर्व समर्थन ने साइकिल की रफ्तार को जबरदस्त तेजी दे दी है। जहां कहीं भी चुनावी सभाएं हो रही हैं वहां जनता एक स्वर से यह कह रही है कि उनके लिए यह उपचुनाव नेताजी को श्रद्धांजलि देकर सपा की जीत सुनिश्चित करने का बड़ा अवसर है। जनता के इस समर्थन ने समाजवादी खेमे में उत्साह और बढ़ाने का काम किया है।

दरअसल नेताजी की याद में मैनपुरी उपचुनाव की फिजा ही बदल गई है। चुनाव प्रचार के दौरान सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल

ड़किल का बटन दबाएं

यादव के पक्ष में जनता खुद ही आगे-आगे दिख रही है खासतौर पर महिलाओं की टोलियां जयघोष करते हुए प्रचार में जुटी हैं। चुनाव प्रचार जिस तरह का माहौल बना है, लग रहा है कि जनता ही चुनाव लड़ रही है।

सपा प्रत्याशी डिंपल यादव का महिलाओं से सीधे जुड़ने के लिए मोबाइल नम्बर जारी करना भी मैनपुरी की महिलाओं को भा गया है। करहल के सुभाष गेट की सुमिला देवी कहती हैं-डिंपल जी की सादगी पहले से ही मैनपुरी वालों को भाती रही है। मैनपुरी महिला अस्पताल के पास रहने वाली राधिका के मुताबिक-डिंपल जी इस पहल से ऐसा पहली बार होगा कि महिलाएं किसी जनप्रतिनिधि से सीधे जुड़ सकेंगी।

नेताजी का पूरा परिवार एकजुटता के साथ प्रचार में शिद्दत से जुटा है। प्रचार के दौरान सपा प्रत्याशी व समाजवादी परिवार के सदस्यों के पहुंचते ही जनता उनके साथ हो जा रही है और पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में जयघोष करने लग रही है

समाजवादी पार्टी की ओर से बूथ-सेक्टर पर लगातार बैठकें, जीत का अंतर बढ़ाने की रणनीति पर दिन रात मंथन हो रहा है। नेताजी का पूरा परिवार एकजुटता के साथ प्रचार में शिद्दत से जुटा है। चुनाव कार्यालयों, प्रचार के दौरान सपा प्रत्याशी व समाजवादी परिवार के सदस्यों के पहुंचते ही जनता की भीड़ उनके साथ हो जा रही है और पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में जयघोष करने लग रही है।

सपा प्रत्याशी से भेंट करने, उनके साथ चलने की आम जनता में होड़ लग जा रही है। मैनपुरी की जनता का नेताजी के प्रति प्यार देखकर सपा प्रत्याशी व सपा प्रमुख भावुक हो जा रहे हैं। वह जनता के बीच बार-बार

एक-एक वोट से नेताजी को दें श्रद्धांजलि

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी की जनता के बीच कहा है कि नेताजी की कमी हमेशा रहेगी। उन्होंने न जाने कितने लोगों का जीवन बदला है।

कार्यकर्ताओं के बीच सपा प्रमुख ने कहा कि जो सिद्धांत समाजवादियों को नेताजी ने दिए हैं, मैनपुरी की जनता समझती है। यह नेताजी के सिद्धांतों का ही चुनाव है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि नेताजी हमारे बीच नहीं हैं। कार्यकर्ता मतदान वाले दिन एक-एक वोट से नेताजी को श्रद्धांजलि दें।

उन्होंने कहा कि मैनपुरी में जितना विकास है, नेताजी का किया हुआ है। श्री यादव ने कहा कि यह जनता का चुनाव है, नेताजी के नाम और मैनपुरी के विकास का चुनाव है।

करहल विधानसभा क्षेत्र में चौधरी नत्थू सिंह इंटर कॉलेज में सेक्टर/बूथ प्रभारियों और कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि नेताजी जनता के नेता रहे हैं। वे हमेशा जमीन से जुड़े रहे। अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि जो संघर्ष नेताजी ने जमीन पर रहकर जनता के लिए किया, उस संघर्ष को और मजबूत बनाकर वोट के माध्यम से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल जी को ऐतिहासिक जीत दिलाएं।

उन्होंने कहा सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक लड़ाई अभी अधूरी है। नेताजी जहां तक इस लड़ाई को लेकर आए, उसे यहां से आगे ले जाना है।

उन्होंने कहा कि असली संघर्ष और लड़ाई तो कार्यकर्ता और बूथ एजेन्ट करता है। यह चुनाव समाजवादी पार्टी की प्रतिष्ठा और नेताजी को श्रद्धांजलि देने का है इसलिए बूथ पर तैयारी के साथ मजबूती से एक-एक वोट समाजवादी पार्टी के पक्ष में डलवाएं।

किशनी में सावन श्री राइस मिल्स व मैनपुरी विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं व बूथ प्रभारियों के बीच सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह उपचुनाव जहां नेताजी को श्रद्धांजलि देने का चुनाव है, वहीं लोकतंत्र को बचाने का भी चुनाव है। यह पहला चुनाव है जिसमें नेताजी नहीं हैं पर सभी को नेताजी के संघर्ष याद आ रहे हैं। नेताजी जमीनी नेता रहे हैं और इसी वजह से देश के वह अकेले नेता हैं जिन्हें धरती पुत्र कहा जाता है।

यह मेरा नहीं, नेताजी का चुनाव है

मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव ने कहा है कि नेताजी की कर्मभूमि में चुनाव लड़ना सौभाग्य की बात है। मैनपुरी के मतदाता आज भी नेताजी के दीवाने हैं। नेताजी ने जो राह दिखाई है उसी राह पर चलकर नेताजी की कर्मभूमि को आदर्श बनाने के लिए वह काम करेंगी।

कार्यकर्ताओं के बीच श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी मानकर चुनाव लड़ें। एतिहासिक जीत दिलाकर नेताजी को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दें। यह मेरा नहीं, नेताजी का चुनाव है।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महिलाओं की बैठक में सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने बताया कि आज महंगाई चरम पर है। रसोई गैस 1100 रुपये का हो गया है। सब परेशान हैं। उन्होंने बताया कि सपा सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए एम्बुलेंस सेवा, कन्या विद्या धन की शुरुआत की थी। मौजूदा भाजपा सरकार सिर्फ बड़े-बड़े दावे करती है और जनता को धोखा देती है।

उन्होंने कहा कि ये चुनाव नेताजी के सम्मान का चुनाव है। नेताजी ने सदैव सबका सम्मान रखा था, उनकी सोच और विचारों को हम सब आगे लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि हर बूथ पर एक महिला हो। पुरुषों से ज्यादा महिलाएं आगे रहें। उन्होंने कहा कि वह जनता खासकर महिलाओं से सीधे जुड़ सकें इसलिए एक नम्बर जारी कर रहीं हैं ताकि महिलाएं सीधे उनसे जुड़ सकें।

चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बूथ प्रभारियों व महिलाओं की बैठकों में सपा प्रत्याशी ने कहा कि वह मैनपुरी जनपद की बहू हैं। मैनपुरी से नेताजी का भावनात्मक रिश्ता रहा है। वह इस रिश्ते को आगे बढ़ाने का काम करेंगी।

यह दोहरा रहे हैं कि वह नेताजी के इस रिश्ते की डोर को और मजबूती देंगे।

सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव और श्रीमती डिंपल यादव ने अपने चाचा एवं जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव से उनके आवास पर भेंट की। श्री शिवपाल यादव ने भी डिंपल यादव का मजबूती से साथ देने का ऐलान किया। उन्होंने मैनपुरी की जनता से भी श्रीमती डिंपल यादव के पक्ष में भारी मतदान की अपील की है। उन्होंने सैफई में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मंच साझा कर जनता से अपील की कि वह मैनपुरी में सपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करें।

सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव के पक्ष में भोगांव और सैफई में कार्यकर्ता सम्मेलन में पूरे परिवार के साथ मंच साझा करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि मैनपुरी के मतदाताओं ने उपचुनाव में भाजपा का सफाया करने का मन बना लिया है इसलिए भाजपा में घबराहट है। उन्होंने तंज कसा कि हमारा परिवार दूर हो जाए तो कहते हैं कि परिवार में झगड़ा है। हम एक साथ आ जाएं तो कहेंगे परिवारवादी हैं। उसकी तकलीफ की दवा कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सब एक हैं। आने वाला समय बताएगा इसका परिणाम कितना बड़ा और ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा है कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव पर सभी की निगाहें लगी हैं। यह देश की राजनीति को दिशा देने वाला चुनाव

मैनपुरी उपचुनाव
2022

मैनपुरी उपचुनाव
2022

SP

है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ नेता श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हमें एकजुट रहकर सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को रिकार्ड मतों से जिताना है। यह सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने अपील की कि उपचुनाव में हर एक वोट साइकिल चुनाव चिह्न पर देकर रिकार्ड बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो मिथ पाल रखा है उसे तोड़ना है। नेताजी के आदर्शों पर चलकर दी गई जिम्मेदारी को निभाना है। नेताजी जो जिम्मेदारी छोड़ गए हैं, उसका नेतृत्व अखिलेश यादव को करना है। हम सब साथ हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने सभी से ईवीएम को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब डिब्बे बदल सकते हैं तो ईवीएम भी बदल सकती है। सरकार नहीं बताती है कि 20 लाख ईवीएम कहां गायब हैं?

समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी के हृदय में मैनपुरी बसती रही है। मैनपुरी का विकास हमारी प्राथमिकता है। नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब मैनपुरी का एक-एक मतदाता ईवीएम में साइकिल का बटन दबाकर ऐतिहासिक मतों से जिताएंगे।

कार्यकर्ता सम्मेलन में सर्वश्री रामगोविन्द चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, चन्द्रभूषण सिंह, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, आदित्य यादव, संजय लाठर, डॉ राजपाल कश्यप, आलोक शाक्य समेत बड़ी संख्या में समर्थक व नेता मौजूद थे।

नेताजी को नमन कर सादगी से नामांकन

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव ने दिवंगत नेताजी की समाधि पर नमन करने के बाद कलेक्ट्रेट जाकर सादगी के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन के दौरान सपा प्रत्याशी के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव व परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

सादगी से पर्चा भरने के बाद मीडिया से मुखातिब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी के निधन से पूरा परिवार गमगीन है इसलिए वह सादगी से नामांकन करने आए।

सपा प्रमुख अखिलेश ने नामांकन से पहले व बाद में नेताओं को माल्यार्पण करने पहुंचे कार्यकर्ताओं को यह कहते हुए रोक दिया कि इस समय माला न पहनाएं।

नामांकन के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व मैनपुरी की जनता के बीच पहुंचे सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव व सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव ने बार-बार नेताजी को याद किया। कई बार दोनों भावुक भी हो गए।

नामांकन के लिए कलेक्ट्रेट जाने से पहले नेताजी की समाधि पर पुष्पांजलि के साथ नमन करते हुए सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने

कहा कि नेताजी को सादर नमन के साथ, हम आज का नामांकन उनके सिद्धांतों और मूल्यों को समर्पित कर रहे हैं। नेताजी का आशीर्वाद हम सबके साथ हमेशा रहा है, हमेशा रहेगा।

वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने नेताजी को नमन करने के बाद ट्वीट करते हुए कहा कि मैनपुरी उपचुनाव में सपा प्रत्याशी के रूप में दरअसल नेताजी की समाजवादी आस्थाओं का ही नामांकन हो रहा है। जिस तरह दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों के लोगों और जनमानस ने सैफई आकर नेताजी को श्रद्धांजलि दी, उसका सच्चा परिणाम ये होगा कि सपा प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत होगी।

रामपुर उपचुनाव

आजम साहब का उत्पीड़न सबसे बड़ा मुद्दा

बुलेटिन ब्यूरो

रामपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री व जौहर विश्वविद्यालय के संस्थापक मोहम्मद आजम खान का सरकार द्वारा किया जा रहा उत्पीड़न सबसे बड़ा मुद्दा है। रामपुर की सूरत बदलने वाले मोहम्मद आजम खान के उत्पीड़न के खिलाफ अवाम सपा के पक्ष में दिख रही है।

जिस रामपुर सीट पर उपचुनाव हो रहा है इसी सीट से आजम खान साहब लगातार विधायक रहे हैं। रामपुर में विकास की नई इबारत लिखने के कारण मोहम्मद आजम खान काफी लोकप्रिय हैं। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने आसिम राजा शम्सी को रामपुर से प्रत्याशी घोषित किया है। आसिम राजा लोकसभा उपचुनाव में भी सपा के प्रत्याशी थे।

उपचुनाव में इस बार सबसे बड़ा मुद्दा आजम खान साहब का उत्पीड़न बना हुआ है।

मंडलायुक्त के रहते निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं: सपा

रामपुर विधानसभा उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक व भयमुक्त कराने के लिए समाजवादी पार्टी ने मंडलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह को तत्काल हटाने की मांग की है। आयुक्त को हटाने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में समाजवादी पार्टी ने कहा है कि मुरादाबाद के वर्तमान मण्डलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह लम्बे समय तक रामपुर में जिलाधिकारी रह चुके हैं और पदोन्नत होकर मण्डलायुक्त के पद पर भी काफी समय से तैनात हैं, इसी मण्डल में जनपद रामपुर है।

ज्ञापन में कहा गया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के समय आन्जनेय कुमार सिंह पर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का आरोप लगा था। रामपुर लोकसभा उपचुनाव के समय भी श्री आन्जनेय कुमार सिंह मण्डलायुक्त के पद पर थे और अब 37-रामपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में उप निर्वाचन 2022 होने जा रहा है।

सपा ने ज्ञापन में कहा है कि मुरादाबाद मण्डल से बिना श्री सिंह को हटाये स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक व भयमुक्त चुनाव सम्भव नहीं है।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमण्डल में केके श्रीवास्तव, डॉ हरिश्चन्द्र सिंह यादव व राधेश्याम सिंह यादव शामिल थे।

फोटो स्रोत : गूगल

2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद से आजम साहब के खिलाफ सरकारी उत्पीड़न के तहत उन पर तमाम केस लादे जाने से अवाम में गुस्सा भी है और आजम खान साहब के प्रति हमदर्दी भी।

पिछले 40 साल से रामपुर की जनता की सेवा करने, उनके उत्थान के लिए ईमानदारी से कोशिश करते रहने की वजह से ही आजम साहब रामपुर से लगातार जीतते रहे हैं।

सपा प्रत्याशी आसिम राजा शम्सी साफ सुथरी छवि के हैं और उन्होंने व्यापारियों व रामपुर के लिए लम्बा संघर्ष किया है। चुनाव प्रचार अभियान के दौरान आजम खान साहब के उत्पीड़न के मुद्दे ने सपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल तैयार कर दिया है।

सपा प्रत्याशी आसिम राजा के पक्ष में रामपुर में हो रही चुनावी सभाओं में जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है। कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए आजम साहब ने उनसे अपील की कि उत्पीड़न का जवाब इस सीट के उपचुनाव में सपा की जीत सुनिश्चित कर दिया जाए।

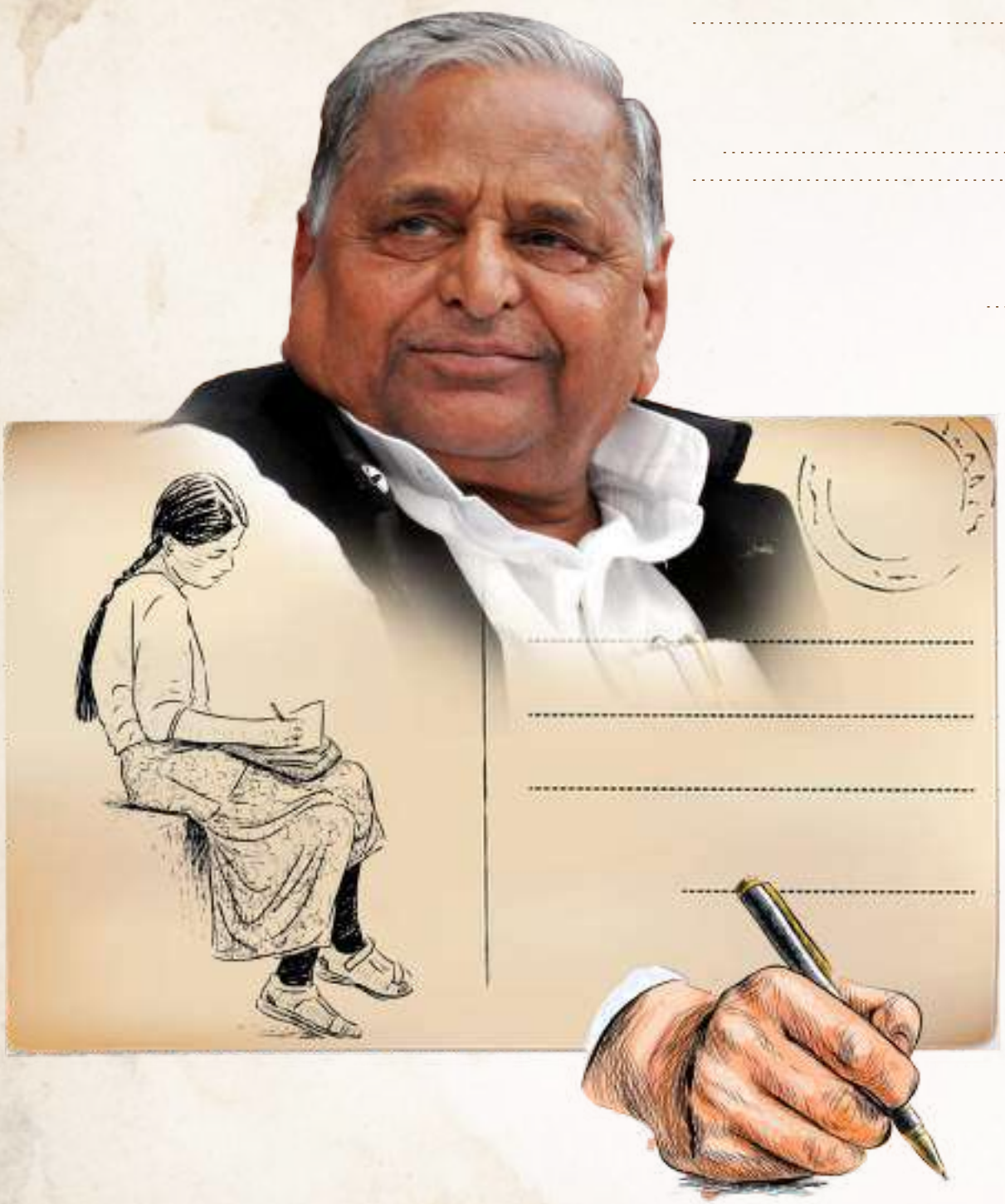

चिट्ठी आई है...
नेताजी की चिट्ठी आई है!

लड़कियां सीधे लिखती थीं पत्र, नेताजी देते थे जवाब

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी- मुलायम सिंह यादव अब नहीं हैं। उनके साथ ही चला गया वह पिता, वह संरक्षक भी जिनको लड़कियां मदद के लिए चिट्ठी भेजा करती थीं। लम्बी-लम्बी चिट्ठियां जिनमें जिक्र होता अपने गांव का, अपने परिवार का, समस्याओं और सरकार की योजनाओं का। वर्ष 2003 से वर्ष 2007 तक समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लिखी गईं इन चिट्ठियों का तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह न सिर्फ जवाब देते बल्कि यथासंभव मदद भी भेजते। कुछ पत्र तो ऐसे हैं जिनमें लगातार चिट्ठी-पत्री लिख कर हाल-चाल लिया जाता।

लड़कियां लिखती परिवार की माली हालत ठीक नहीं, आत्महत्या तक के विचार आते तो नेताजी उन्हें ढांढस बंधाते, समझाते और जिंदगी जीने का हौसला देते। कभी नसीहत देते तो कभी मदद का आश्वासन। बिजनौर की प्रवेश कुमारी ने कुछ ऐसा ही लिखा तो उन्होंने जवाब दिया कि प्रवेश, तुम्हारी गरीबी और अभाव के कारण मैं दुखी हूं। मैंने सरकार की तरफ से आर्थिक मदद भेजी है। निराश मत हो, आत्महत्या कायरता है। इंसान की जिंदगी संघर्ष की जिंदगी है। किसी भी तरह का संकट हो, मुझे पत्र लिखना।

किसी ने पिता माना तो किसी ने संरक्षक

यह और ऐसे ही तमाम पत्र और उनके जवाब बताते हैं कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी मुलायम सिंह लोगों के कितने करीब थे। ये लड़कियों के पत्र हैं जिसमें किसी ने उन्हें पिता समझ कर तो किसी ने संरक्षक समझ कर पत्र लिखा है। किसी ने अपने घर की

गरीबी का जिक्र किया है तो किसी ने नौकरी न मिलने का, किसी ने जमीन पर कब्जे की सूचना दी है तो किसी ने उन्हें अपने घर का हाल बयां किया है। दरअसल एक मौके पर उन्होंने कहा कि लड़कियां सीधे मुझे पत्र लिख सकती हैं। इसके बाद चिट्ठियों का तांता बंध गया।

ज्यादातर पत्र कन्या विद्याधन न मिलने, नौकरी न मिलने और जमीन पर कब्जे आदि के थे। उन सबका मुलायम सिंह यादव सीधे जवाब देते थे। ज्यादातर में उन्होंने लड़कियों को अपने निजी सचिव गंगाराम का नंबर भी दिया है कि यदि कोई वार्ता करना चाहे, मिलना चाहे या कोई दिक्कत हो तो सीधे उन्हें फोन कर दे, उन्हें खबर मिल जाएगी।

हमीरपुर की पूनम देवी बचपन में आग से जल गई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि गले की नसें कसने से कष्ट हो गया है और वह अत्यंत गरीब है। उनकी शादी कैसे होगी, कौन उन्हें अपनाएगा? मुलायम सिंह यादव ने उन्हें लिखा कि तुम चिंता मत करो भविष्य के बारे में मत सोचो कि तुम्हें कौन अपनाएगा। मैं तुम्हारे गले की नसों का ऑपरेशन कराने के लिए सहयोग करूंगा। मेरे निजी सचिव गंगाराम तुमसे मेरा संपर्क करा देंगे।

घर आने का किया वायदा

वहीं इटावा की मयूरी जैन ने उनसे शिकायत की कि सैफई में उन्होंने एक छोटा-सा स्टेचू उन्हें भेट किया था, वो कैसा है इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। मयूरी ने इसके साथ ही चित्र भी बना कर भेजा जिसका जवाब देते हुए मुलायम सिंह ने कहा कि तुम्हारा बनाया हुआ सुंदर चित्र मिला। मुझे विश्वास है कि तुम हस्तकला में महान कलाकार बनोगी। स्टेचू मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त कर सका था, वह बहुत ही अच्छा था। तुम्हारी आर्थिक स्थिति खराब है, इसके बारे में मुझे दुख है। मैं तुम्हें अब आवश्यक आर्थिक सहायता भेजूंगा, अगर तुम मुझसे मिलना चाहती हो तो मेरे इटावा आने पर मिल लेना। वहीं उन्होंने उनके पिता की समस्याओं को हल करने का आश्वासन भी दिया है।

अप्रैल 2007 में पूरनपुर पीलीभीत की नीतू यादव ने उन्हें ताऊ जी कहकर संबोधित किया। वह लिखती हैं कि मेरी 28 अप्रैल को शादी है। मेरी इच्छा है कि आप मुझे आशीर्वाद दें। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव में व्यस्तता के कारण चाहते हुए भी तुम्हारे विवाह में नहीं आ पा रहा हूं। चुनाव होने के बाद मैं तुम्हारे घर आशीर्वाद देने अवश्य आऊंगा।

संपर्क में रहने को कहा

ज्यादातर पत्रों में लड़कियों ने अपने आगे की शिक्षा को जारी रखने के लिए उनसे मदद मांगी है जिस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा की मंशा पूरी होगी।

ज्यादातर को उन्होंने अपनी निजी सचिव का मोबाइल नंबर भी दिया और कहा कि इसके मार्फत मुझ से लगातार संपर्क में रहना। शाहजहांपुर की डॉली पांडे ने फरवरी 2007 में उन्हें पत्र लिखकर बताया कि वह एमबीए की शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं लेकिन उनके परिवार में कोई मुखिया नहीं है। वह ट्यूशन करके जैसे-तैसे अपना परिवार चला रही है। जिसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवेश के लिए अपना आवेदन पत्र जमा कर देना और निराश होने की जरूरत नहीं है। फोन पर या पत्र पर मुझसे संपर्क बनाए रखना।

कन्या विद्याधन समाजवादी पार्टी सरकार की फ्लैगशिप योजना थी जिसकी प्रशंसक सिर्फ लड़कियां ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी थे। औरैया बाबरपुर की रहने वाली नेहा गुप्ता उनसे कन्या विद्या धन वितरण के दौरान मिली थी। इसके बाद जब उन्होंने पत्र लिखकर अपनी गरीबी से अवगत कराया तो तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें जवाब दिया कि मैं तुम्हारे परिवार की मदद करता रहूंगा।

विधानसभा चुनाव के बाद रोजगार और बेरोजगारी भत्ता भी दूंगा। अपने भाई बहन की पढ़ाई जारी रखना। जहां तक गरीबी का सवाल है तो गरीबी का एहसास मुझे भी है। मैं गरीबी दूर करने के लिए सबका सहयोग करूंगा। पत्र के द्वारा मुझे सूचित करना। अगर तुम्हारे घर या तुम्हारे किसी विश्वासपात्र के पास मोबाइल हो तो मेरे निजी सचिव से वार्ता करती रहना।

संवाद बनाए रखने के लिए जवाब जरूरी

उस समय लड़कियां न केवल पत्र लिखकर उन्हें अपनी समस्याओं को बताती थी बल्कि लगातार पत्र लिखती रहती थी। वह उनका हौसला बढ़ाने में पीछे नहीं हटते और पिता की तरह उन्हें नसीहतें भी देते। लखीमपुर खीरी की पूनम देवी भास्कर ने जब उनको दोबारा पत्र लिखा तो उन्होंने उसका जवाब देते हुए लिखा कि संवाद बनाए रखने के लिए पत्र का उत्तर देना ही चाहिए। मुझे खुशी है कि तुम्हारे पत्र का उत्तर देने से तुम्हें और तुम्हारे परिवार का सम्मान मिला वहीं उन्होंने उसका आत्मविश्वास को बनाते हुए कहा कि

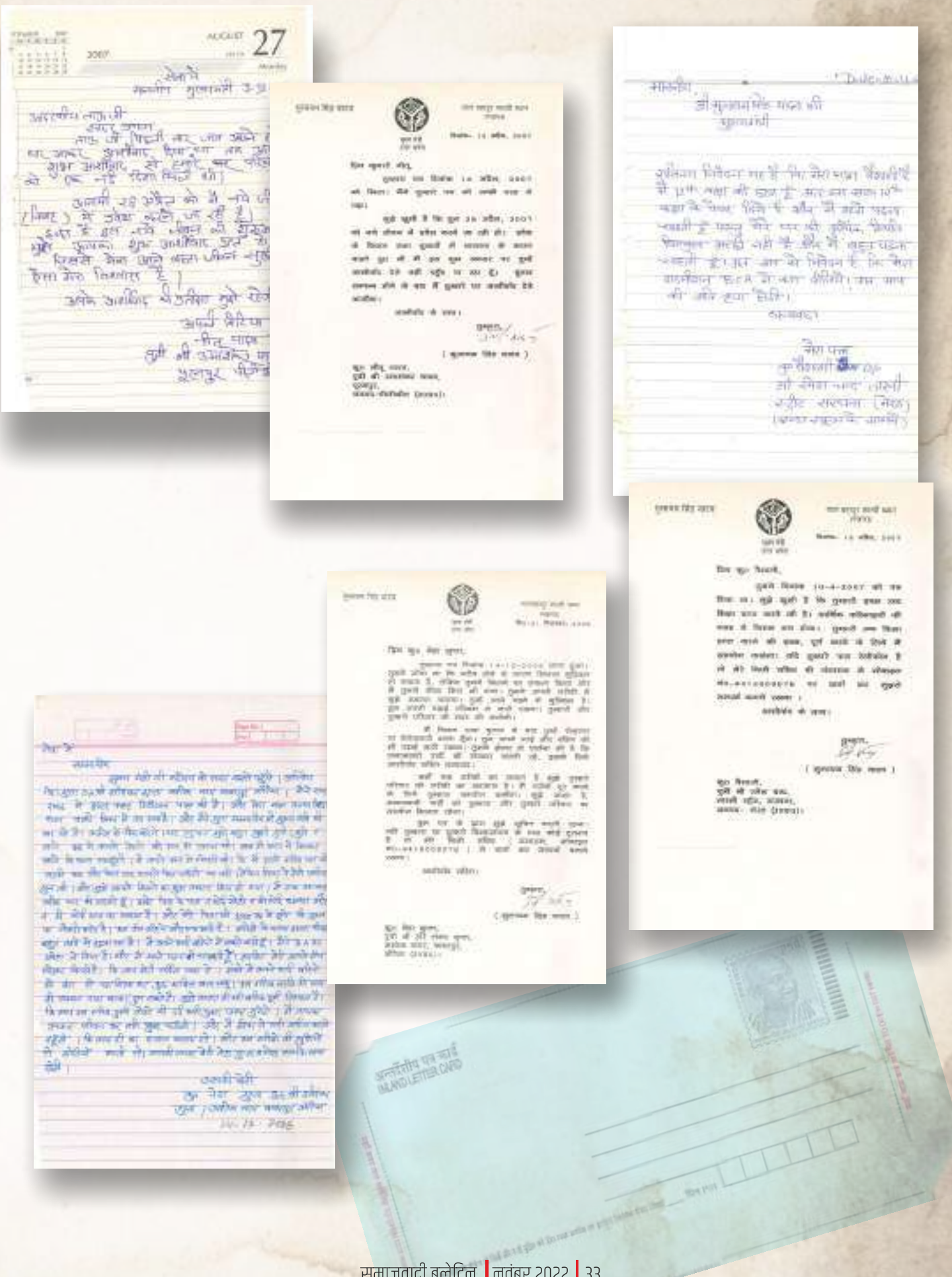

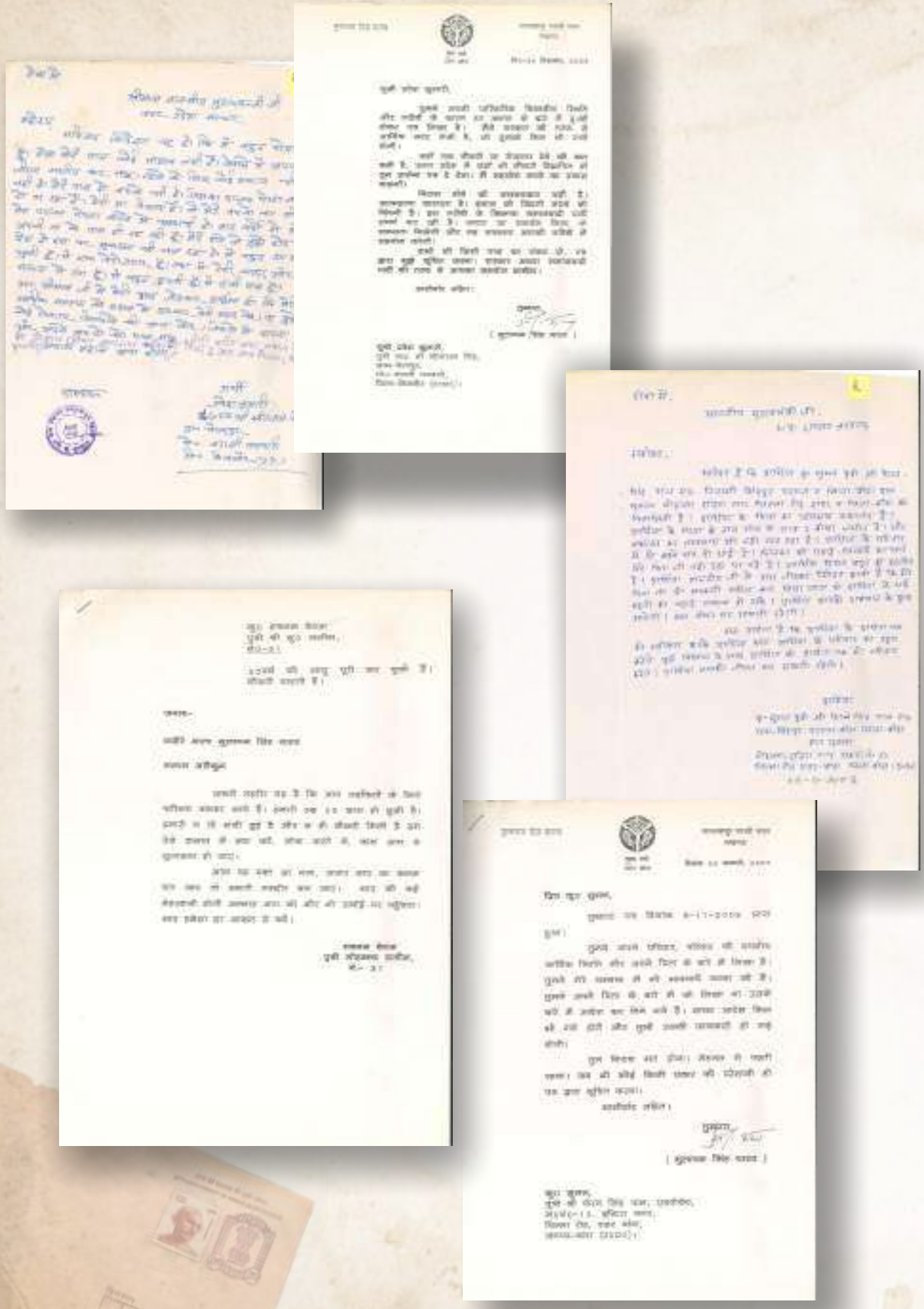

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में तुम्हारे जैसी लाखों युवतियों की आवश्यकता है। तुम पढ़ाई के साथ देश की सेवा भी करती रहना। तुम्हारे परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरे इसके लिए मैं सहयोग करने का प्रयास करूंगा। जिनमें तकलीफ सहने की आदत होती है वही देश और समाज की सच्ची सेवा करते हैं जिन लड़कियों को कन्या विद्याधन नहीं मिला है उन्हें भी कन्या विद्याधन दिलाने का प्रयास करूंगा।

लड़कियों ने मुलायम सिंह यादव बनने का दिखाया जज्बा

वाराणसी की दुर्गा यादव ने अपने पत्र में उन्हें पिता कहकर संबोधित किया और कहा पिताजी जब आप ने यह कहा कि लड़कियां हमें पत्र लिख सकती हैं तो मैं आपको यह पत्र लिख रही हूं। पिताजी आप ने कहा कि लड़कियां आईएएस-आईपीएस बन सकती हैं तो मैंने भी पीसीएस परीक्षा हिंदी की परीक्षा दी।

मुझे अच्छा लगा लेकिन अब बीएड करके अध्यापन कर रही हूं। आपकी तरह ही एक अध्यापक बनने के बाद प्रदेश की सेवा कर रही हूं। आपने कहा था कि जिस दिन कोई लड़की मुलायम सिंह यादव बनेगी उस दिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी होगी। आपका यह सपना पिताजी मैं पूरा करना चाहती हूं। इसका जवाब देते हुए मुलायम सिंह ने लिखा है कि बिना परिश्रम के भाग्य साथ नहीं देता। मेहनत, संकल्प, दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ परिश्रम करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। मुझे खुशी होगी अगर तुम्हारे जैसी नौजवान बेटियां राजनीति में आएं। उन्होंने एक फोन नंबर देते हुए कहा इस पर संपर्क करना और मिल लेना, मैं सब बता दूंगा।

दिखाई आशा की किरण

सीपरी बाजार झांसी की मधुरिमा यादव ने नवंबर 2006 में एक बहुत लंबा पत्र उनको लिखा और उनको बताया कि वह गरीब मजदूर की पुत्री हैं और आगे पढ़ना चाह रही हैं लेकिन रिश्वत के अभाव में उनका बीएड में प्रवेश नहीं हो सका।

मुलायम सिंह यादव ने इस पर अफसोस जाहिर करते हुए लिखा कि सपा के सांसद या किसी अन्य नेता ने तुम्हारी कोई मदद नहीं की और ना ही तुम्हें सहयोग किया इसका मुझे बहुत ज्यादा दुख है और जब तुमने यह लिखा नौकरी न मिलने पर मौत चाहती हो तो इससे मुझे बहुत निराशा हुई। जो इंसान हर मुसीबत का हिम्मत से मुकाबला करता है वही आगे बढ़ता है।

आत्महत्या कायरता है और कायरता करने वाले से किसी को सहानुभूति नहीं होती। तुम्हारे पिता का इलाज मैं झांसी में सरकारी अस्पताल में मेडिकल कॉलेज में बात करके करवा दूंगा। यदि तुमने मुझसे संपर्क किया होता तो नौकरी के लिए तुम्हें निराश न होना पड़ता। लेकिन मेरा प्रयास है कि तुम आगे निराश न हो।

हर तरह से मदद के लिए तैयार

चाहे लड़की ने उन्हें अपने पिता के बारे में बताया हो या फिर अपनी बेरोजगारी के, उन्होंने हर पत्र में यथासंभव मदद करने की आश्वासन दिया। लड़कियों ने उन्हें परिवार के मुखिया के तौर पर हर समस्या से अवगत कराया। बरेली की कविता कुमारी ने कहा कि वह कन्या विद्या धन से वंचित हो गई थी लेकिन उन्होंने मुलायम सिंह यादव को पत्र लिखा तो उन्हें इस योजना में शामिल कर लिया गया। उनके छोटे भाई की पढ़ाई छूट गई थी उनके दो बड़े भाई हैं लेकिन बड़े भाई शादी के बाद अलग हो गए। मंझले भाई की तबीयत खराब रहती है तो वह मजदूरी नहीं कर सकते।

पिता लंबी बीमारी के बाद कर्जे में है और जमीन पर उनके ताऊजी ने कब्जा कर रखा है। इस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें जवाब दिया कि कन्या विद्या धन योजना में शामिल होने पर तुमने लिखा कि सपने साकार कर दिया, मैं किसी से पीछे नहीं रहूंगी तो मैं कोशिश करूंगा कि तुम्हें और तुम्हारे भाई को आय का साधन भी मिल जाए। मुझे दुख है तो तुम्हारे बड़े भाई तुम्हें सहारा नहीं देते।

तुम्हारे परिवार के पास कर्ज चुकाने का साधन नहीं है, तुम्हारी जमीन का विवाद भी चल रहा है। जमीन के संबंध में मैं जांच करा दूंगा और एक फोन नंबर उपलब्ध कराते हुए कहा कि लखनऊ भाई के साथ आकर मिल लेना, तुम्हारे भाई का इलाज भी अच्छा और निशुल्क करा दूंगा लेकिन तुम अपनी पढ़ाई मत छोड़ना।

लड़कियों ने पत्र लिखकर उनको यह भी बताया कि उन्हें उन्होंने कन्या विद्या धन का इस्तेमाल कैसे किया। जौनपुर की प्रियंका साहू ने उन्हें बताया कि कन्या विद्याधन नहीं मिला लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद उन्हें मिला। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इसे अपने विकास व उच्च शिक्षा पर खर्च करना। मेरी सरकार में कन्याओं को विद्या धन मिलता रहेगा और मैं असहाय कन्याओं की मदद भी करता रहूंगा। तुम अपनी भावनाओं को इसी तरह व्यक्त करते रहना।

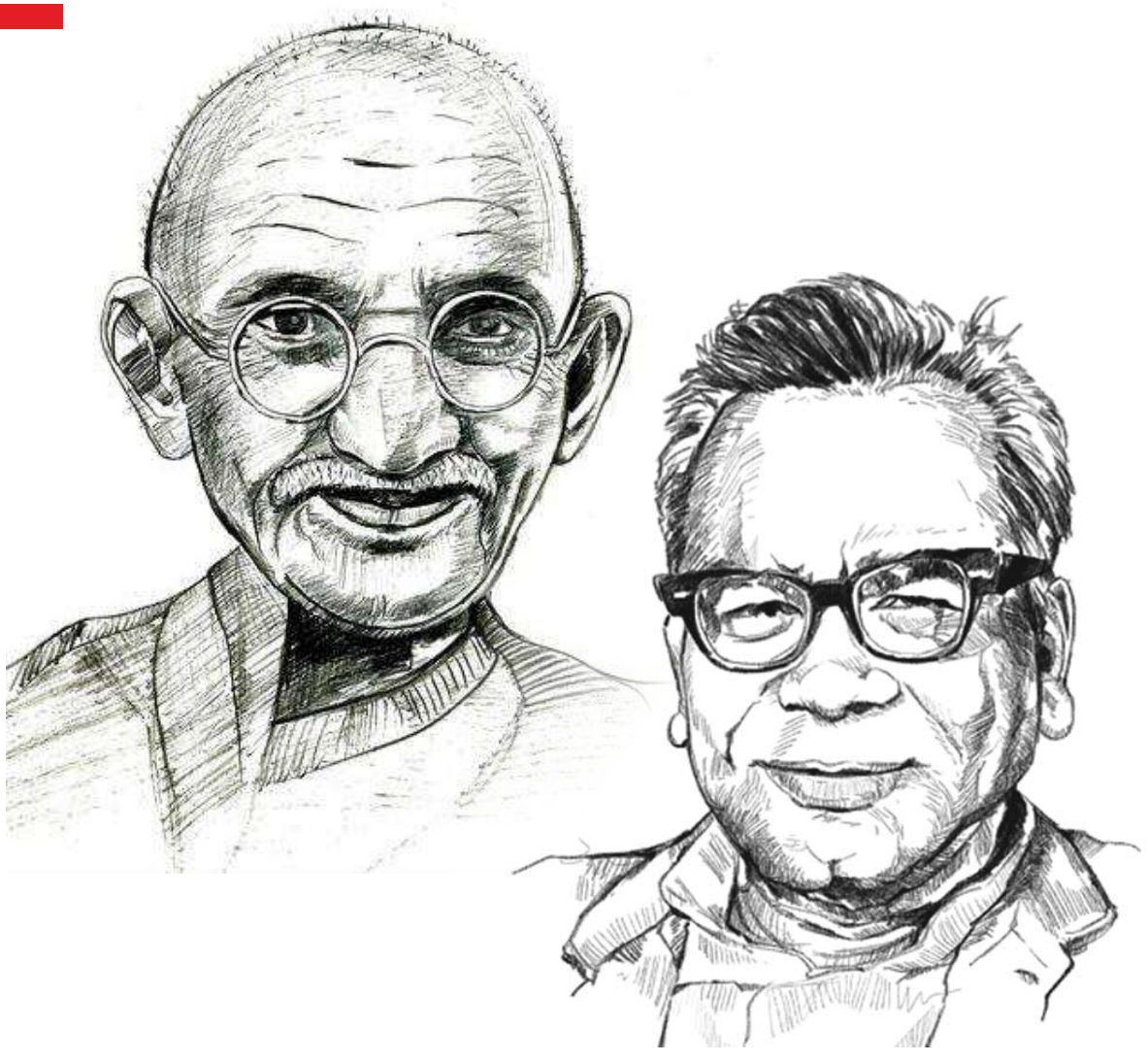

गांधी-लोहिया की विचारधारा है

समाजवाद

उदय प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने एक ट्वीट किया कि "समाजवादी किस मुंह से किसानों की और महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं।" इससे पहले भी वह एक बयान दे चुके हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि "समाजवाद अब अप्रासंगिक हो गया है।"तो मैं यह सोचता हूॅं कि मुझे उनको ये बताना चाहिए कि "समाजवाद" एक विचारधारा है जो गांधीजी की विचारधारा है, लोहिया जी की विचारधारा है, जेपी,आचार्य नरेन्द्र देव जी और मुलायम सिंह की विचारधारा है और अब उसे अखिलेश जी आगे बढ़ा रहे हैं ।

इस विचारधारा के समर्थन में लोहिया जी ने अपने लेख में कहा था कि "हिंदुस्तान के 85% लोगों के साथ अन्याय हो रहा है और हम सब उनके साथ हैं। पहले ही वाक्य में लोहिया जी ने कहा है कि इनमें 50% महिलाएं हैं जिनके साथ अन्याय हो रहा है। वह चाहे किसी भी वर्ण की हों,किसी भी वर्ग की हों या किसी भी आर्थिक स्थिति की हों। (योगी जी को पढ़ना चाहिए)

दूसरे जो पीड़ित हैं उनमें अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग, दलित और आदिवासी वर्ग के लोग शामिल हैं और हम समाजवादी इन सबको मुख्यधारा के साथ जोड़ना चाहते हैं ताकि इन सब को भी अन्य नागरिकों की तरह से सामान्य अधिकार मिल सकें।

अब जो समाजवादी पार्टी है वह इसी विचारधारा को लागू करने का काम करती है और इन वंचित लोगों को उनके अधिकार दिलाने के लिए सदा संकल्पित है जिसमें हम सफल भी होते हैं और बीजेपी जैसी प्रतिक्रियावादी ताकतों की वजह से मजबूरी में ठहर भी जाते हैं। यह रहा विचारधारा और पार्टी में अंतर।

अब मैं महिलाओं की बात करना चाहता हूॅं। जितना त्याग महिलाओं के लिए समाजवादियों ने किया उसकी योगी जी कल्पना भी नहीं कर सकते। एक माया त्यागी कांड हुआ था मेरठ में उसका मुलायम सिंह की पार्टी ने ही ज़बरदस्त विरोध किया था।

एक बसरेयर कांड जिसमें एक दलित महिला के साथ अत्याचार हुआ था, उसके लिए मुलायम सिंह जी ढ़ाई साल जेल में रहे क्योंकि उन्होंने थाने पर आक्रमण बोल दिया था, उसी थाने में दलित महिला के साथ अत्याचार हुआ था। बाद में कोर्ट ने फैसला सुनाया, महिला को न्याय मिला, मुलायम सिंह को बेक़सूर ठहराया गया और पूरे थाने को बर्ख़ास्त किया गया था। एक बड़ा उदाहरण महिला सशक्तिकरण को बल मिले इसके लिए फूलन देवी, जिनके साथ घोर अन्याय हुआ था उनको मुलायम सिंह जी ने मुख्यधारा से जोड़ा और उन्हें सांसद बनाया।

एक और उदाहरण बिहार का है, एक पत्थर तोड़ने वाली महिला शांति देवी का है जिनको लोहिया जी ने सांसद बनाया ,वह विधायक भी बनीं और सांसद भी रहीं। महाप्राण निराला ने तो "वह तोड़ती पत्थर" कविता भी लिखी थी लेकिन उस काम को पूरा लोहिया जी और समाजवादियों ने किया। लोहिया जी की " सप्तक्रांति" में पहला वाक्य ही महिलाओं के लिए है कि "आधी आबादी" आज भी शोषित और वंचित है । "आधी आबादी" मुहावरा समाजवादियों की ही देन है तो समाजवादियों का एक विस्तृत इतिहास रहा है महिलाओं के सशक्तिकरण के संबंध में। वैसे योगी जी की बात का आश्चर्य नहीं है क्योंकि उन्होंने पढ़ा ही नहीं है। बस केवल विरोध करने हेतु कुछ भी बोल दिया जाए। यह उनकी आदत है।

अब मैं आता हूॅं किसानों के मुद्दे पर,पहले तो ये समझने की बात है कि जितने समाजवादी हुए हैं सब गांधीवादी थे लेकिन गांधी जी की हत्या के बाद कांग्रेस जब अपने रास्ते से भटकने लगी तो इन सभी

समाजवादियों ने अपनी अलग पार्टी बनाई उसमें सोशलिस्ट पार्टी, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, जनता पार्टी, जनता दल और लोकदल शामिल हैं जिनमें नायक मुलायम सिंह ही रहे।

लोकदल तो चौधरी चरणसिंह जी ने किसानों के मुद्दे पर ही पर ही कांग्रेस से बग़ावत करके बनाया था क्योंकि कॉरपोरेट फार्मिंग जिसका प्रतिपादन नेहरू जी ने किया था वह इसके सख़्त ख़िलाफ़ थे क्योंकि उससे किसानों का वही नुकसान हो रहा था जो वर्तमान विवादित तीन कानूनों से होने वाला है। फिर चौधरी चरणसिंह और मुलायम सिंह ने किसानों के सभी आंदोलनों में हिस्सा लिया और रामकोला गन्ना किसानों के आंदोलन में मुलायम सिंह जेल भी गए।

किसान, समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र और जितने भी प्रस्ताव पास हुए सब में शामिल रहे हैं कि किसानों की तरक्की कैसे हो? गांधी जी और लोहिया कहा करते थे कि असली हिंदुस्तान गाँव में रहता है और किसान उसकी आत्मा है और ये दोनों हमारे नेता थे। समाजवादी पार्टी के हर एक प्रस्ताव और हर एक घोषणा पत्र में यह बात शामिल रही लेकिन उन लोगों द्वारा कभी पढ़ने की कोशिश नहीं की गई जो आज आलोचना करते हैं।

मुलायम सिंह जी ने बारंबार कहा कि गांव में 80% आबादी रहती है उस पर हमारे बजट का 20 % और शहरों की 20 % आबादी पर बजट का 80% खर्च होता है। लेकिन जब हमारी सरकार आएगी तो हम गांवों के लिए अपने बजट का 80% खर्च करेंगे। और किया भी।

यदि आप मुलायम सिंह, जनेश्वर मिश्र, राजनारायण आदि इन सबके भाषण सुन लें तो सैकड़ों बार ये कहते हुए पा जाएंगे कि "जब हमारे गांवों के किसान खुशहाल होंगे तो आसपास के कस्बे भी खुशहाल होंगे, जब किसानों की आमदनी बढ़ेगी तो ये छोटे-मोटे व्यापारी भी संपन्न रहेंगे।"

किसानों का सबसे बड़ा योगदान होता है हमारी जीडीपी में लेकिन वह एक ऐसा दुर्भाग्य वाला पेशा है जिसमें फसलों की कीमत सरकार तय करती है। अन्य पेशों में पेशे का मालिक ही उत्पाद का मूल्य निर्धारित करता है।

समाजवादी लेखक किशन पटनायक के लेख पढ़ लीजिए आप किसानों की समस्यायें हद तक समझ जाएंगे और समाजवादियों का एक अलग साहित्य है जिसे मैं योगी जी को ज़रूर पढ़ने की सलाह दूंगा कि दीनदयाल उपाध्याय को पढ़ें तो उन्हें लगेगा कि समाजवाद पर ऐसी टिप्पणियां ग़लत हैं

किसानों को बीज, सिंचाई,खाद इत्यादि इन सब की महंगाई उसे सहनी पड़ती है और ऊपर से प्राकृतिक आपदाओं में तो कुछ भी नहीं बचता है। कभी-कभी तो किसान की फसल बिकती तो कम पैसों में है लेकिन खरीदनी काफी महंगी पड़ती है। लागत से कम मूल्य पर धंधा करना करने वाला एक मात्र किसान है।

कांग्रेस से समाजवादियों की लड़ाई ही किसानों के मुद्दे पर थी और किसानों के लिए भाजपा और कांग्रेस की नीति बिल्कुल एक जैसी है। इसलिए किसानों का हितैषी सच में समाजवादियों के अलावा कोई नहीं है।

सीपीआई "सर्वहारा" की बात करती है उसकी परिभाषा में किसान सर्वहारा नहीं है क्योंकि उसकी जमीन उसकी पूंजी है लेकिन आपने किसी भी श्रमिक को आत्महत्या करते नहीं सुना होगा। सिर्फ़ किसानों के अलावा क्योंकि वह बीज, सिंचाई, खाद और कभी-कभी पैसे भी उधार ले आता है इस भरोसे पर कि जब फसल तैयार होगी तब चुका देंगे लेकिन फसल मारी जाती है और वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाता है और खेत भी चले जाते हैं। ये सभी बातें समाजवादियों ने उठाई हैं, मैंने सांसद रहते हुए उठाई, जनेश्वर जी ने उठाई, मोहन सिंह और मधु लिमये जी के तो कई लेख मिल जाएंगे आपको।

समाजवादी लेखक किशन पटनायक के लेख पढ़ लीजिए आप किसानों की समस्यायें हद तक समझ जाएंगे और समाजवादियों का एक अलग साहित्य है जिसे मैं आप सभी और ख़ासकर योगी जी को ज़रूर पढ़ने की सलाह दूंगा कि दीनदयाल उपाध्याय को पढ़ें तो उन्हें लगेगा कि समाजवाद पर ऐसी टिप्पणियां ग़लत हैं।

अब किसानों के ऊपर ज़बरदस्ती काले कानून थोपना और उनके आंदोलन कर्ताओं को देशद्रोही करार देने के परिणाम में किसानों को ये महसूस होने लगा है कि भाजपा को सत्ता में लाना उनकी बड़ी भूल थी और अब किसानों का समर्थन समाजवादियों

को मिलता देख पूरी भाजपा में खलबली मची हुई है और वह बौखलाई हुई है इसीलिए बेबात समाजवादियों के बारे में कुछ भी बोल रही है।

अब मैं इसमें एक बात और जोड़ना चाहता हूँ। समाजवाद ये मानता है कि सेक्युलरिज़्म,समाजवाद और डेमोक्रेसी यह तीनों अन्योन्याश्रित हैं। एक मूल्य है जिसमें हर इंसान बराबर हो,उसका सम्मान और संपत्ति बराबर हो, उसकी सत्ता में बराबर भागीदारी हो जिसे राजनैतिक न्याय कहते हैं।

समाजवादियों का सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय देना सदा से संकल्प रहा है। वह कहते हैं कि ये तीनों न्याय हम देंगे क्योंकि यह तीनों अन्योन्याश्रित हैं। डेमोक्रेसी के बग़ैर समाजवाद नहीं रह सकता, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है रूस,जो कि सबसे बड़ा समाजवादी देश था लेकिन डेमोक्रेसी नहीं थी और खत्म हो गया। इसी तरह नेपाल और पाकिस्तान में सेक्युलरिज़्म नहीं था, डेमोक्रेसी नाम की है तो ये तीनों राजनीतिक मूल्य अन्योन्याश्रित हैं लेकिन बीजेपी सेक्युलरिज़्म को नहीं मानती इसीलिए अल्पसंख्यकों को धमकाना और उनके ख़िलाफ़ प्रचार करती है और समाजवाद का मुंह से विरोध करती है, भीड़तंत्र पैदा कर रही है। सेक्युलरिज़्म और समाजवाद का विरोध करके आप डेमोक्रेसी कैसे चला ले जाएंगे? सेक्युलरिज़्म और समाजवाद के बिना डेमोक्रेसी का क्या मतलब है??

सत्ता में रहने के लिए ये डेमोक्रेसी का समर्थन करते है पर हैं उसके भी ख़िलाफ़ क्योंकि जब संविधान लागू हुआ तो गोलवलकर जी ने एक किताब लिखी थी जिसमें था कि यहां

एकतंत्र होना चाहिए यानी केंद्र मजबूत होना चाहिए। सत्ता का विकेंद्रीकरण नहीं होना चाहिए जबकि डेमोक्रेसी का मूल सिद्धांत ही सत्ता का विकेंद्रीकरण है यानि सत्ता प्रधानमंत्री पर हो तो ग्राम पंच तक पर हो लेकिन ये करें क्या क्योंकि उसी संविधान की शपथ खा के आए हैं लेकिन ये सेक्युलरिज़्म और समाजवाद को दरकिनार करते हुए हमारे चौथे स्तंभ खबर पालिका (मीडिया)को तहस-नहस कर रहे हैं और हद तब हो जाती है जब न्यायपालिका की स्वायत्तता व क्षमता पर सवाल उठने लगते हैं।

ये लोग सभी संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं ऐसे में हम सभी नागरिकों को जागरूक होना चाहिए और इसमें समाजवादियों की ज़िम्मेदारी सबसे बड़ी हो जाती है। हम सब इस लड़ाई में अखिलेश जी का साथ दें और जैसा कि मैं पहले बता चुका हूँ कि लोहिया जी ने जो कहा था कि 85% लोगों के साथ आज भी अन्याय हो रहा है उसमें हर वर्ग के लोग शामिल हैं उन्हें न्याय दिलाना (और उसमें महिलाओं और किसानों का स्थान सबसे ऊपर है) समाजवादियों का संकल्प है।

हमारे माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को बजाय पहले ट्वीट करने के कुछ पढ़ना-लिखना चाहिए कि "किस मुंह से समाजवादी कहते हैं"। अब हमारे तो एक मुंह है और हम उसी से कहते हैं और जिनके चार मुंह हों या वो दशानन हों तो वे जानें। पहले तो ये "किस मुंह " वाला मुहावरा सबसे ग़लत है, मुंह तो सबके एक ही होता है।

फोटो स्रोत : गूगल

फोटो स्रोत : गूगल

वोटरों के नाम काटने में नियमों की अनदेखी

चुनाव आयोग को सपा ने दिया विस्तृत जवाब

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनाव-2022 की बाबत चुनाव आयोग की नोटिस का समाजवादी पार्टी ने बिन्दुवार जवाब भेजा है। आयोग के नियमों का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी ने बताया है कि मतदाता सूची से नाम काटने के निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन नहीं किया गया।

समाजवादी पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2022 में गलत ढंग से बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने के दस्तावेज भी भेजे हैं। शिकायतों की छायाप्रति तथा मीडिया की खबरों का संकलन भी भेजा गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग के 27 अक्टूबर के पत्र के आलोक में 10 नवंबर को बिन्दुवार ये जवाब भेजा।

जवाब में सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मतदाताओं को मतदान से वंचित करने की विभिन्न जनपदों के कार्यकर्ताओं, समर्थकों, नागरिकों और मीडिया की खबरों से मिली जानकारियों के मुताबिक जांच की मांग की गई थी। उन्होंने इस आधार पर कहा था कि जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी लेकिन जांच नहीं कराई गई।

समाजवादी पार्टी ने कहा है कि निर्वाचन वर्ष में स्वत: नाम काटे जाने पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद मतदाताओं से फार्म नंबर-7 बिना भरवाये नाम काट दिए गए। मतदाता या उसके परिवार के किसी सदस्य को सूचना या बिना नोटिस दिए ही नाम काटे गए।

जवाब के मुताबिक निर्वाचन वर्ष 2021 में मतदाता सूची का प्रकाशन 15 जनवरी

2021 को हुआ था तथा 16 जनवरी 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक सतत अद्यतन या निरंतर पुनरीक्षण हुआ जिसके बाद 01 नवंबर 2021 को मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ। 16 जनवरी 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक मतदाता सूची में बड़ी संख्या में नाम काटे, जोड़े व संशोधित किए गए। यह सूची राजनैतिक दलों को नहीं दी गई। मतदेय स्थलों पर भी प्रदर्शित नहीं की गई। इस सम्बंध में समाजवादी पार्टी ने ज्ञापन भी सौंपा।

आयोग को भेजे जवाब में समाजवादी पार्टी ने कहा है कि मतदाता सूची में जोड़े व काटे गए नामों को सतत अद्यतन व निरंतर पुनरीक्षण के समय सीईओ की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया। कुछ जिलों में अपलोड की गई लेकिन वह बंद रही, खुली ही नहीं। इतना ही नहीं, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को मतदाता सूची की मार्क्ड कॉपी नहीं दी गई।

समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग को बताया कि विधानसभा चुनाव 2022 व उससे पहले तथा बाद में भी कार्यकर्ताओं, समर्थकों, नागरिकों तथा मीडिया की खबरों का संज्ञान लेते हुए गलत ढंग से काटे गए नामों के बारे में बताया गया था। जवाब में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग की गरिमा को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था, न ही भविष्य में होगा। भारत निर्वाचन आयोग का सम्मान है।

मतदाता सूची उपलब्ध न कराने की शिकायत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने यूपी के करीब 30 से अधिक जिलों में समाजवादी पार्टी को मतदाता सूची उपलब्ध न कराने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है। जिलों के नामों की सूची भी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपी गई।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में काटे और जोड़े गए नामों की सूची तथा 9 नवंबर 2022 को प्रकाशित मतदाता सूची को प्रदेश के 30 से अधिक जनपदों में पार्टी को उपलब्ध न कराने व नोटिस बोर्ड पर नाम काटने, जोड़ने, संशोधित करने की सूचना प्रदर्शित न करने, मतदाता सूची से नाम काटने, जोड़ने के नियमों का पालन न करने की शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 12 मार्च 2022 से 7 नवंबर 2022 तक प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदेय स्थल की मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम काटे, जोड़े व संशोधित किए गए। नाम काटने, जोड़ने, संशोधित करने की सूची समाजवादी पार्टी को नहीं दी गई।

ज्ञापन में बताया गया है कि 9 नवंबर 2022 को प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र की मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई। प्रकाशित मतदाता सूची एटा, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, जालौन, ललितपुर, भदोही, मऊ, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, अमेठी, लखनऊ, हरदोई, बदायूं, पीलीभीत, मेरठ, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, नोएडा, बागपत, सहारनपुर आदि 25 से अधिक जिलों में समाजवादी पार्टी को नहीं दी गई है।

सपा ने ज्ञापन में मांग की है कि 12 मार्च 2022 से 7 नवंबर 2022 तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदेय स्थल पर मतदाता सूची से काटे, जोड़े व संशोधित नामों की सूची समाजवादी पार्टी को उपलब्ध कराई जाए ताकि नाम काटने, जोड़ने की सत्यता की जांच कराई जा सके और 9 नवंबर 2022 से 8 दिसम्बर 2022 तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान आवश्यकतानुसार फार्म भरकर मतदाता सूची को दुरुस्त किया जा सके।

यह भी मांग की गई है कि 9 नवंबर 2022 को प्रकाशित मतदाता सूची प्रदेश के सभी जनपदों में समाजवादी पार्टी को तत्काल उपलब्ध कराई जाए। ईआरओ द्वारा नोटिस बोर्ड पर नाम काटने, जोड़ने, संशोधित करने सम्बन्धी शिकायत की जांच कराई जाए।

'खजांची' की पढ़ाई का खर्च उठाएंगे सपा प्रमुख

बुलेटिन ब्यूरो

छह साल पहले नोटबंदी के दौरान जन्मे कानपुर देहात के 'खजांची' के जन्मदिन पर पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उसकी पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने की जिम्मेदारी लेकर परिवार की चिंताएं खत्म कर दीं।

सपा प्रमुख की घोषणा से 'खजांची' का पूरा परिवार प्रसन्न है। खजांची का जन्म तब हुआ था जब नोटबंदी के दौरान उसकी मां बैंक की लाइन में लगी थीं।

9 नवम्बर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर कानपुर देहात जनपद की तहसील डेरापुर के गांव अनंतपुर धौकल पोस्ट औरंगाबाद निवासी 'खजांची' के साथ मां श्रीमती सर्वेशा देवी व दूसरे परिवारीजन सर्वश्री छोटेनाथ, जरदाननाथ, पप्पूनाथ, प्रदीपनाथ, अमितनाथ, विपिननाथ, राजीवनाथ गोल्डी तथा प्रीती सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव से भेंट करने पहुंचे। 'खजांची' से सपा प्रमुख ने आत्मीयता से मुलाकात की। जन्मदिन पर आशीर्वाद दिया। उसका हालचाल पूछा। पढ़ाई के बारे में जानकारी ली।

'खजांची' के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने परिवार को आश्वस्त किया कि झींझक के रामा पब्लिक स्कूल में 'खजांची' की प्राइमरी में पढ़ाई पूरी कराने की जिम्मेदारी उनकी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में बढ़ रहे कालाधन, नकली नोट,आतंकवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त करने के दावे के साथ नोटबंदी लागू की थी। नोटबंदी के 6 वर्ष पूर्ण होने पर भी वह कालाधन, नकली नोट,आतंकवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं कर पाई

पढ़ाई के खर्च की जिम्मेदारी सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव के लेने के बाद परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

'खजांची' के परिवारीजनों से भेंट के दौरान सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में बढ़ रहे कालाधन, नकली नोट,आतंकवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त करने के दावे के साथ 8 नवम्बर 2016 को नोटबंदी लागू की थी।

नोटबंदी के 6 वर्ष पूर्ण होने पर भी वह कालाधन, नकली नोट, आतंकवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं कर पाई। अलबत्ता नोटबंदी से जनता परेशान और देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई।

खजांची वही बच्चा है जिसे 9 नवम्बर 2016 को झींझक के पंजाब नेशनल बैंक की लाइन में लगी सर्वेशा देवी ने जन्म दिया था। इस गरीब परिवार की उस समय किसी ने मदद नहीं की।

तब, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने स्वयं ही संज्ञान लेकर परिवार की मदद की थी और नवजात का नाम 'खजांची' रखा था। परिवार के साथ पूरी तरह से खड़े रहते हुए तभी से समाजवादी पार्टी हर वर्ष 'खजांची' का जन्मदिन मनाती है।

सादगी व त्याग की मूर्ति थे आचार्य नरेन्द्रदेव

बुलेटिन ब्यूरो

महान समाजवादी विचारक, विख्यात शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता सेनानी आचार्य नरेन्द्रदेव की 133वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आचार्य नरेन्द्रदेव सादगी व त्याग की मूर्ति थे। उन्होंने देश में समाजवादी आंदोलन को दिशा देने का काम किया था।

बीते 31 अक्तूबर को लखनऊ में गोमती तट पर आचार्य नरेन्द्रदेव की समाधि पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आचार्य नरेन्द्रदेव का स्पष्ट मानना था कि समानता, देश की एकता व लोकतंत्र की मजबूती के लिए समाजवादी व्यवस्था आवश्यक है। समाजवाद के जरिये ही देश को मजबूत किया जा सकता है और खुशहाली लाई जा सकती है। सपा प्रमुख ने कहा कि आचार्य नरेन्द्रदेव की सोच के अनुरूप ही समाजवादी देश में परिवर्तन लाने की दिशा में मजबूती से कार्य कर रहे हैं।

श्रद्धासुमन अर्पित करने के दौरान आचार्य नरेन्द्र देव के परिवार के सदस्य श्री यशोवर्धन तथा श्रीमती मीरावर्धन की मौजूदगी में सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव को आचार्य नरेन्द्र देव ग्रंथावली के आठ खंड भेंट किए गए। इस ग्रंथावली का सम्पादन जेएनयू के प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह व सोनम सिंह ने किया है।

आचार्य नरेन्द्रदेव की जयंती पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, विधायक श्रविदास मेहरोत्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार मिश्र के अलावा ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह 'गोप' के बड़े भाई व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह के निधन पर सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए बाराबंकी स्थित उनके आवास पर जाकर परिवारजनों को सांत्वना दी और और दिवंगत अशोक सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

27 अक्टूबर को बाराबंकी पहुंचे सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने शोक संतप्त परिवारजनों के साथ काफी समय बिताया और उन्हें सांत्वना दी। श्री अशोक कुमार सिंह का बीते अक्टूबर को हृदय गति रुकने से निधन हो गया था।

सपा प्रमुख के श्रद्धांजलि देते समय विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव, पूर्व एमएलसी राजेश यादव, पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, निवर्तमान जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह, पूर्व चेयरमैन नगर पालिका परिषद हफीज भारती, हिमांशु यादव सुपौत्र स्वर्गीय राम सेवक यादव पूर्व सांसद, पूर्व जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी यशवंत यादव आदि उपस्थित थे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मैनपुरी

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

नेता जी और घर के बड़ों के साथ-साथ मैनपुरी की जनता का भी आशीर्वाद साथ है!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

नेताजी को करके याद
हर बूथ वर्कर है तैयार!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जो लोगों के दिलों में बसते
वो लोग कहाँ, कहीं जाते हैं

आदरणीय नेताजी की जयंती पर सादर नमन!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अपनेपन की शुभकामनाएँ और आशीर्वाद!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

@ Saifai

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अच्छा लगा उस जगह जाकर जहाँ ज़िंदगी के पाठ सीखे.

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

My sincere thanks to all
the attendees and
the organisers of the memorial event
for Netaji in Vijayawada today.

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पूरी दुनिया में अपनी वर्ल्ड क्लास क्वॉलिटी और राइडिंग एक्सपीरियंस के लिए प्रसिद्ध सपा के समय बना 'आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे' आज भाजपा के राज में ख़राब देखभाल का शिकार हो गया है। कुछ भी अच्छा न बनानेवालों से आग्रह है कि जो अच्छा बना है कम-से-कम उसका रख-रखाव तो अच्छे से करें।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र की विधान सभाओं की 1000 किमी की यात्रा तय करने पर हर एक 'सपा के सेनानी' को बधाई... लेकिन एक लम्बा सफ़र अभी बाकी है।

समाजवादी मूल्यों के संघर्ष की यात्रा निरंतर रहे...
शुभकामनाएँ!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कन्नौज में नकली दवा की वजह से किसानों को आलू की खेती में हुए नुक़सान की भरपाई के लिए सरकार आगे आए और दोषी दुकानदार के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने के लिए लिखित शिकायत और बिल का बहाना न बनाए। कल अगर किसी को कोई सड़क चलते लूट लेता है तो क्या कार्रवाई के लिए लूट का बिल भी सरकार मांगेगी।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री श्री रामशरण दास जी की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि।

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

नाम मुलायम सिंह यादव का भी आबाद रहेगा

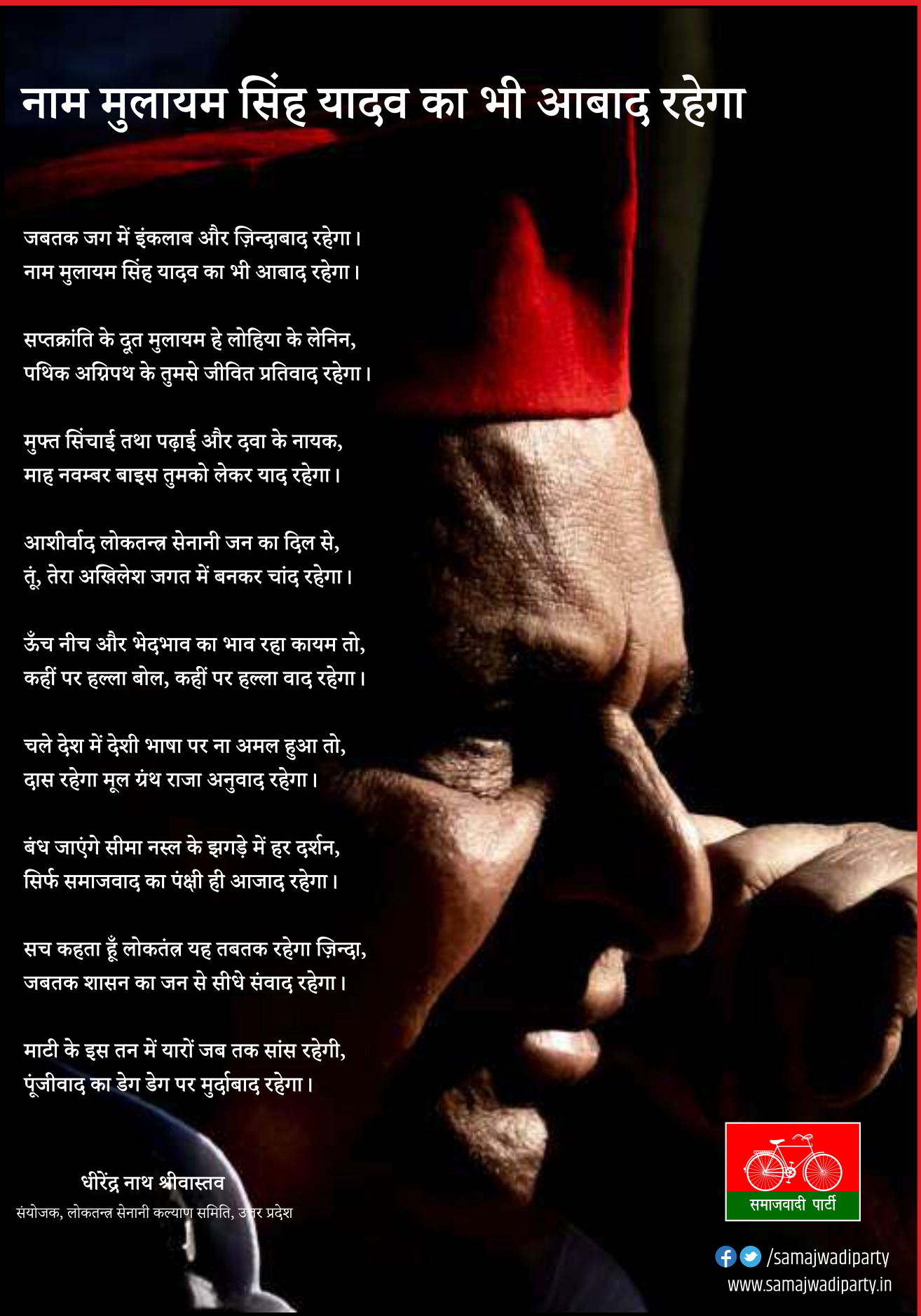

जबतक जग में इंकलाब और ज़िन्दाबाद रहेगा।
नाम मुलायम सिंह यादव का भी आबाद रहेगा।

सप्तक्रांति के दूत मुलायम हे लोहिया के लेनिन,
पथिक अग्निपथ के तुमसे जीवित प्रतिवाद रहेगा।

मुफ्त सिंचाई तथा पढ़ाई और दवा के नायक,
माह नवम्बर बाइस तुमको लेकर याद रहेगा।

आशीर्वाद लोकतन्त्र सेनानी जन का दिल से,
तूं, तेरा अखिलेश जगत में बनकर चांद रहेगा।

ऊँच नीच और भेदभाव का भाव रहा कायम तो,
कहीं पर हल्ला बोल, कहीं पर हल्ला वाद रहेगा।

चले देश में देशी भाषा पर ना अमल हुआ तो,
दास रहेगा मूल ग्रंथ राजा अनुवाद रहेगा।

बंध जाएंगे सीमा नस्ल के झगड़े में हर दर्शन,
सिर्फ समाजवाद का पंक्षी ही आजाद रहेगा।

सच कहता हूँ लोकतंत्र यह तबतक रहेगा ज़िन्दा,
जबतक शासन का जन से सीधे संवाद रहेगा।

माटी के इस तन में यारों जब तक सांस रहेगी,
पूंजीवाद का डेग डेग पर मुर्दाबाद रहेगा।

धीरेंद्र नाथ श्रीवास्तव
संयोजक, लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in